VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

# ABHYAAS MAINS

## सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2220)

निर्धारित समय: तीन घंटे
*Time Allowed:* ***Three Hours***

अधिकतम अंक: **250**
*Maximum Marks:* ***250***

### सामान्य अनुदेश

*इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 61+3 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।*

*रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।*

*पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।*

### General Instructions

*This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 61+3 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.*

*For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.*

*On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.*

**(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)**

पंजीकरण सं./Registration No. : 0984013

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : रजनीश पटेल

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English
हिंदी

## सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)
## GENERAL STUDIES (Paper IV)

तारीख
Date
28/08/22

केंद्र
Centre MUKHERJEE NAGAR

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature 28/8/22

| | महत्वपूर्ण अनुदेश<br>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है। | **Important Instructions**<br>**Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.** |
|---|---|---|
| 1 | (क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।<br>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो। | (a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.<br>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet |
| 2 | अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो। | Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer. |
| 3 | परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें। | Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner. |
| 4 | उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है। | Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated. |
| 5 | उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है। | Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc. |
| 6 | प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें। | Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers. |
| 7 | प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा। | Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated. |
| 8 | यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है। | If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued. |

| कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use | कार्यालय के प्रयोग हेतु<br>For Official Use |
|---|---|
| परीक्षक के हस्ताक्षर<br>Signature of Examiner(s) | |

**प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))**

| प्रश्न सं.<br>Q. No. | अंक<br>Marks | | प्रश्न सं.<br>Q. No. | अंक<br>Marks | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1(a) | | | 6 (a) | | |
| 1(b) | | | 6 (b) | | |
| 2(a) | | | 6 (c) | | |
| 2(b) | | | 7 | | |
| 3(a) | | | 8 | | |
| 3(b) | | | 9 | | |
| 4(a) | | | 10 | | |
| 4(b) | | | 11 | | |
| 5(a) | | | 12 | | |
| 5(b) | | | | | |
| उप-योग (A)<br>Subtotal (A) | | | उप-योग (B)<br>Subtotal (B) | | |
| सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B) | | | | | |

VISION IAS

VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION

# ABHYAAS MAINS

## सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2220)

| निर्धारित समय: तीन घंटे<br>Time Allowed: **Three Hours** | अधिकतम अंक: **250**<br>Maximum Marks: **250** |
|---|---|

### प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

*कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:*

*इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।*

*सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।*

*प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।*

*प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।*

*प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।*

### QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

***Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:***

*There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH.***

*All questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

*Keep the word limit indicated in the questions in mind.*

*Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

SAMPLE

# EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

VISION IAS

All the Best

1. (a) असीमित संपत्ति का तर्क लाभ के रूप में स्वहित की पूर्ति करने की बुनियादी मानवीय प्रवृत्ति में निहित है। इस संदर्भ में, क्या आपको लगता है कि नैतिक पूंजीवाद का अनुसरण करने की संभावना है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The logic of limitless wealth lies in the basic human instinct for furthering self-interest in the form of profit. In this context, do you think there is a possibility of pursuing ethical capitalism? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालही में जारी ऑक्सफैम की रिपोर्ट में दुनिया भर में बढ़ती असमनताओं का जिक्र किया गया है। खासतौर से कोविड के बाद एक तरफ जहाँ शीर्ष 10 प्रतिशत अमीर लोगों की संपत्ति में वृद्धि हुई है वहीं अधिकांश लोगों की आय घटी है। ऐसे में नैतिक पूँजीवाद के विमर्श को मजबूती मिली है।

**नैतिक पूँजीवाद**

→ केवल और केवल लाभ की अवधारणा से संचालित होने की जगह हितधारकों के कल्याण, पर्यावरण के स्वास्थ्य, नैतिक मूल्यों की रक्षा को भी महत्व देना नैतिक पूँजीवाद है।

→ उदाहरणार्थ:- भारत में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व की अवधारणा नैतिक पूँजीवाद का एक उदाहरण है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

## नैतिक पूँजीवाद की संभावना :-

1) यह दीर्घकाल में पूँजीवाद को स्थायित्व प्रदान करेगा क्योंकि केवल स्वहित केंद्रित लाभ से संरचना टिक नहीं सकती। उदाहरणार्थ :- केवल एक दुकान होने पर लाभ अधिक प्राप्त होती है किंतु वहीं कई दुकानें खुल जाएँ तो कीमतें कम हो जाती हैं।

2) आज कोई भी राष्ट्र न तो पूर्णतः समाजवादी है न ही पूर्णतः पूँजीवादी। ऐसे में लचीलेपन की संभावना बनी रहती है।

3) पूँजीवाद को भी समाज से अभोक्ता, कच्चा माल आदि चाहिए अतः एक समझौते की स्थिति बनती है।

चुनौतियाँ → निजी हो तक को नैतिक कार्यों की तरफ मोड़ना चुनौतीपूर्ण।

→ एकसाथ सभी कंपनियों या व्यवसायों के समर्थन की जरूरत होगी।

वस्तुतः लोकतांत्रिक समाजवाद की तरह ही नैतिक पूँजीवाद, पूँजीवादी संस्था को अधिक सकारात्मक बनाने की पहल है जिसका प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

1. (b) यदि कोई कानून अन्यायपूर्ण है, तो व्यक्ति द्वारा उसकी अवज्ञा करना न केवल उचित है, अपितु ऐसा करना उसका दायित्व भी है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
If a law is unjust, a man is not only right to disobey it, he is obligated to do so. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

कानून एक साधन है जिसका उद्देश्य न्यायपूर्ण व्यवस्था की स्थापना करना होता है जैसे - हत्या के अपराधी को दंडित करने हेतु भारतीय दंड संहिता की धारा -302। किंतु यदि यह साधन ही अपने उद्देश्य की पूर्ति की जगह बिल्कुल उलट परिणाम दे तो उसे बदलना नितांत जरूरी है जैसे - भारतीय उच्चतम न्यायालय द्वारा जोसेफ साइन बनाम भारत संघ वाद में IPC- 497 को असंवैधानिक घोषित किया।

अन्यायपूर्ण कानून की अवज्ञा न करने का परिणाम :-

⇒ न्याय की जगह अन्याय होगा।
↳ उदाहरण :- IPC-377 द्वारा LGBTQ+ के अधिकारों का हनन।

⇒ कानून का दुरुपयोग किया जाएगा निर्दोष के विरुद्ध।

⇒ यह कानून के मूलभूत सिद्धांतों जैसे कि प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत, शक्ति के पृथक्करण सिद्धांत का उल्लंघन करेगा।

↳ उदाहरणार्थ :- 95वाँ संशोधन अधिनियम

अन्यायपूर्ण कानून का विरोध दायित्व क्यों?

⇒ न्यायपूर्ण कानून की स्थापना हेतु।

↳ उदाहरणार्थ - 42वें संविधान संशोधन के कई कमियों को 44वें संविधान संशोधन द्वारा दूर किया गया।

⇒ न्याय के मूलभूत सिद्धांत की रक्षा हेतु।

⇒ न्यायिक व्यवस्था में विश्वास बहाली हेतु।

यही बात रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी कविता में कुछ इस तरह कही है

"पुराना हो न्याय कोई और तुम त्याग तपसे काम लो, यह पाप है।"



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) किसी परिवर्तनकारी प्रक्रिया को शुरू करने की सिटीजन चार्टर की क्षमता उसे उचित रूप से तैयार करने और प्रभावी ढंग से लागू किए जाने पर निर्भर करती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The capacity of Citizens' Charter to initiate any transformative process is conditioned upon it being appropriately designed and effectively executed. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

सिटीजन चार्टर की अवधारणा की शुरुआत यूनाइटेड किंगडम में 1996 में जान मेजर की सरकार द्वारा हुई। सिटीजन चार्टर के अंतर्गत किसी संस्था द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाएँ, प्रक्रिया, शिकायत निवारण तंत्र आदि का उल्लेख होता है।

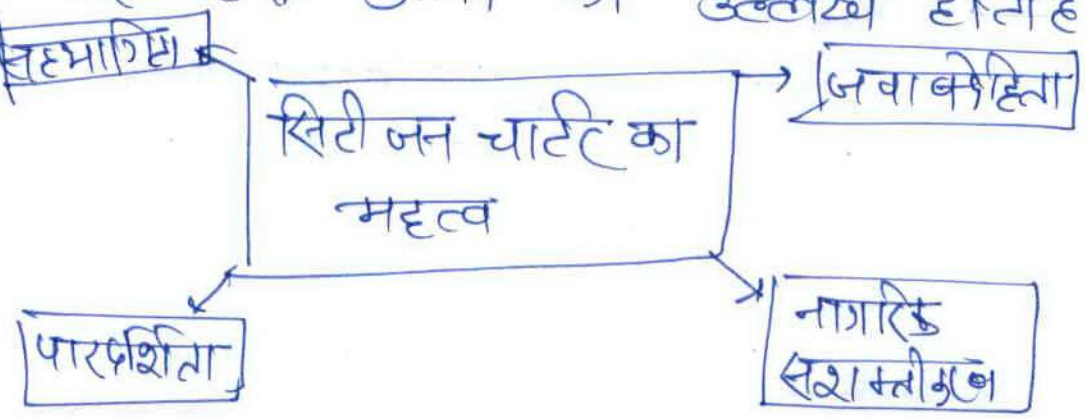


~~अपेक्षित रूप~~

एक नागरिक चार्टर तभी प्रभावी हो सकता है जब उसमें अधोलिखित विशेषताएँ सम्मिलित हों।

1) चार्टर निर्माण के समय सभी हितधारकों

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

की राय ली गयी हो। उदाहरणार्थ:- सरकारी राशन की दुकान पर सेवाओं का चार्टर तैयार करते समय दुकानदार, उपभोक्ता, सरकारी एजेंसियों की राय लेना।

2) चार्टर में स्पष्ट शिकायत निवारण तंत्र का उल्लेख हो।

3) स्पष्ट समय सीमा तय हो।

4) वन साइज फिट फार आल की जगह उन्हें विशिष्टता प्रदान की जाय (द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग)

5) स्थानीय भाषाओं में उपलब्ध हो।

प्रभावी क्रियान्वयन हेतु अधोलिखित कदम उठाए जाने चाहिए।

1) कानूनी शक्ति हो चार्टर के पीछे।

3) गारंटीड्ड पद्धति हो

↳ उदाहरण सेवा का अधिकार अधिनियम

वस्तुतः चार्टर हेतु सेवोत्तम मॉडल एक उपयुक्त एवं प्रभावी पद्धति हो सकती है।

2. (b) लोक प्राधिकारियों की आंतरिक शक्ति (मोरल फाइबर) और नैतिक आचरण न केवल शासन की गुणवत्ता को प्रभावित करते हैं बल्कि उनके स्वयं के हितों और प्रदर्शन को भी प्रभावित करते हैं। सविस्तार वर्णन कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The moral fiber and ethical conduct of public officials not only influence the standard of governance but also their own interests and performance. Elaborate. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भारत जैसे कल्याणकारी राज्य में जनकल्याण, विकास आदि सुनिश्चित करने के क्रम में आंतरिक शक्ति एवं नैतिक आचरण के महत्व को अधोलिखित बिंदुओं में समझा जा सकता है।

मोरल फाइबर का लाभ:-

- लोक प्राधिकारी को
  - नैतिक दुविधाएँ सीमित होंगी।
    - उदाहरणार्थ:- स्वहित बनाम सार्वजनिक हित का द्वंद्व नहीं होगा।
  - सार्वजनिक छवि अच्छी होगी।
  - आत्म संतुष्टि होगी।
- शासन को → नैतिक प्रशासन की स्थापना होगी।
  - भ्रष्टाचार नहीं होगा।
  - कार्य स्थल पर अन्य को भी प्रेरणा मिलेगी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

## नैतिक आचरण का लाभ

- जनता में शासन के प्रति सकारात्मक अभिवृत्ति का विकास होगा।
- शासन की गुणवत्ता में सुधार होगा।
  - उदाहरणार्थ :- सरकार द्वारा जारी धनराशि पूरी तरह से आमजन तक पहुँचेगी।
- अन्य को भी इसकी प्रेरणा मिलेगी
  - कार्य संस्कृति में सुधार होगा।

## लोक प्राधिकारी को लाभ

- सरकार की तरफ से प्रोत्साहन।
- समाज में सम्मान।
- कार्यों को स्वीकार्यता
- संतुष्टि।

सरकार द्वारा इस दिशा में नैतिक संहिता एवं आचरण संहिता का विकास कर उसके अनुपालन को प्रोत्साहित करना चाहिए।

3. (a) इच्छामृत्यु पर जारी बहस कई नैतिक प्रश्नों को जन्म देती है। चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
The ongoing debate on euthanasia poses several ethical questions. Discuss. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इच्छामृत्यु से आशय व्यक्ति द्वारा अपनी स्वेच्छा से अपनी मृत्यु सुनिश्चित करने से है। यह दो तरीके से संभव है

→ सक्रिय इच्छामृत्यु।
→ निष्क्रिय इच्छामृत्यु।

उपर्युक्त विषय पर अधोलिखित नैतिक मुद्दे निहित हैं।

1) एक तरफ ~~यह~~ इच्छामृत्यु किसी व्यक्ति का उसकी शरीर पर संप्रभुता एवं स्वायत्ता से जुड़ा विषय है। यह हाल ही में अमेरिका में चर्चित रो बनाम वेड वाद के अंतर्गत 'My Body My Right' वाली स्थिति है।

2) वहीं दूसरी तरफ अनुच्छेद-21 के अंतर्गत विधिपूर्वक ~~मृत्यु के~~ जीवन के अधिकार को छीनने का प्रावधान इच्छामृत्यु के विरोध में दिखता है।

www.visionias.in

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(3) एक नैतिक मुद्दा यह भी उठता है कि जिस व्यक्ति की जीवित स्थिति अत्यंत खराब है, जैसे- गंभीर बीमारी से ग्रस्त एवं सुधार की शून्य संभावना वाला व्यक्ति, उसे क्यों न इच्छामृत्यु का अधिकार मिले?

उपर्युक्त स्थितियों पर एक व्यापक संवैधानिक विमर्श की आवश्यकता है एवं किसी निरपेक्ष कानून के निर्माण की जगह मध्यमार्गी दृष्टिकोण अथवा व्यवहारिक समाधान तलाशने की जरूरत है।

3. (b) विदेशी सहायता नव-उपनिवेशवाद का एक रूप है, क्योंकि आर्थिक रूप से समृद्ध देश सहायता की आड़ में विकासशील देशों का शोषण कर सकते हैं। परीक्षण कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Foreign aid is a form of neo-colonialism, as the economically wealthier countries can exploit the developing countries under the cloak of aid. Examine. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विदेशी सहायता के रूप में 'ऋण जाल कूटनीति' की व्याख्या प्रसिद्ध कूटनीतिज्ञ ब्रह्मा चेलानी ने चीन जैसे देशों द्वारा अपनाई जा रही जांबी लेंडिंग पद्धति पर की।

विदेशी सहायता के नाम पर नव उपनिवेशवाद

→ अत्यंत अव्यवहारिक किस्म के कर्ज देना
↳ उदाहरण - हंबनटोटा बंदरगाह का विकास।

→ कर्ज के दर अत्यधिक उच्च रखना।
↳ उदाहरण → CPEC का विकास।

→ ऋण का उपयोग प्रदाता राष्ट्र द्वारा अपने कूटनीतिक उद्देश्यों हेतु करना।
↳ उदाहरण :- स्ट्रिंग ऑफ पर्ल नीति।

इसी प्रकार अन्य देश भी विविध देशों में ऋण का व्यापक साधन के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं।

उदाहरणार्थ :-

- IMF की सहायता की शर्त के रूप में खुलेपन को थोपना।
- अतिरिक्त सहायता के बदले आंतरिक मामले में हस्तक्षेप करना।

समाधान

- समावेशी विकास ढाँचे की स्थापना।
- नियम आधारित विश्व व्यवस्था को प्रोत्साहन।
- भारत द्वारा भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग जैसे साधन एक पारदर्शी एवं वहनीय विकल्प हो सकते हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) रवीन्द्रनाथ टैगोर द्वारा प्रतिपादित सार्वभौम मानवतावाद के विचार पर प्रकाश डालते हुए, इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Throwing light on the idea of Universal Humanism propounded by Rabindranath Tagore, discuss its contemporary relevance. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

टैगोर के सार्वभौम मानवतावाद के मूल में यह अवधारणा थी कि संसार के कण-कण में ईश्वर की अभिव्यक्ति है अतः सभी के कल्याण को साधना चाहिए।

मानववाद
↳ केवल मनुष्य का कल्याण।
↳ उदाहरण – मार्क्सवाद।

सार्वभौम मानवतावाद → समस्त जगत चराचर का कल्याण जिसमें पशु पक्षी जानवर, मनुष्य सभी का कल्याण शामिल है।
→ यह अधिक समावेशी है।

→ वर्तमान प्रासंगिकता
↳ जलवायु परिवर्तन ने मनुष्य के साथ-साथ परिवेश एवं प्रकृति के

. स्वास्थ्य के प्रति ध्यान खींचा है।

⇒ COVID-19 जैसी आपदा के बाद 'वन हेल्थ' दृष्टिकोण की अवधारणा सार्वभौम मानवतावाद का विकसित रूप नजर आता है।

⇒ भविष्य की चुनौतियों से लड़ने में हमें प्रकृति (कोरल रीफ, मैंग्रोव) एवं जीव जंतुओं की आवश्यकता है।

⇒ हमारा अस्तित्व हमारे आसपास के लोगों के, परिवेश के, जीव जंतुओं के अस्तित्व पर निर्भर करता है।

अतः सार्वभौम मानवतावाद को सार्वभौमिक स्वीकार्यता प्रदान करनी चाहिए।

"सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयः
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु. मा कश्चित् दुःखभाग भवेत्।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b) क्या आप इस विचार से सहमत हैं कि चारित्रिक प्रकृति, न कि परवरिश, किसी व्यक्ति की भावनात्मक बुद्धिमत्ता का निर्धारण करती है? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Do you agree with the view that it is nature and not nurture which determines the emotional intelligence of a person? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आशय भावनाओं के संबंधन की क्षमता से है। यह स्वयं तथा अन्य के भावनाओं को समझने तथा संबंधित करने की क्षमता है। डेनियल गोलमैन जैसे मनोविज्ञानियों ने E.Q. को I.Q. से अधिक महत्वपूर्ण माना।

उदाहरणार्थ :-

↳ किसी आत्महत्या करने जा रहे व्यक्ति को बातचीत द्वारा वापस बुला लेने की कला भावनात्मक बुद्धिमत्ता से आती है।

[भावनात्मक बुद्धिमत्ता के निर्धारक]

सामान्य धारणा

↳ यह सीखी जाती है। उदाहरणार्थ अमेरिकी स्कूलों में इसके विकास हेतु शुरुआत

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शिक्षा दी जाती है। अतः परवरिश द्वारा E.Q. का विकास संभव है।

किंतु यदि सीखना ही न चाहे कोई या फिर क्षमता होते हुए उसका प्रयोग न करे तो परवरिश का कोई लाभ नहीं है। अतः चारित्रिक विशेषता का महत्व सबसे अधिक होता है। करुणा, दया, उपकार जैसे गुणों से संचालित होकर ही हम भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रयोग करते हैं। कहा भी गया है -

'शीलं परम भूषणम्'।

5. (a) वे मूल्य जो लोक प्रशासकों का मार्गदर्शन करते हैं, व्यापक सार्वजनिक हित के लिए अपने सापेक्ष महत्व के कारण प्राय: एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी हो सकते हैं। उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
Values that guide public administrators can often compete with each other, owing to their relative importance to the larger public interest. Discuss with examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नैतिक व्यवस्था की स्थापना हेतु साधन के रूप में कुछ मानदंडों का निर्धारण किया जाता है जिन्हें मूल्य कहते हैं। उदाहरणार्थ:- सिविल सेवा में ईमानदारी, करुणा, निष्पक्षता जैसे मूल्य पर बल दिया जाता है।

मूल्यों के भीतर एक द्वंद्व की स्थिति बन सकती है ऐसे में इनका सोपानक्रम स्पष्ट होना जरूरी होता है।

उदाहरणार्थ:- सार्वजनिक सेवा वितरण में एक पात्र व्यक्ति, जो अत्यंत गरीब है, दस्तावेज के अभाव में छूट रहा हो तो यहाँ वस्तुनिष्ठता के मूल्य से ज्यादा महत्वपूर्ण करुणा का मूल्य नजर आता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

इसी प्रकार देश सेवा के किसी कार्य हेतु देशप्रेम एवं सत्य के मूल्य के बीच द्वंद्व में देश प्रेम के मूल्य को महत्व देना उचित है।

वस्तुतः मूल्यों की उपयोगिता एवं महत्व देश-काल-परिस्थिति पर निर्भर करता है। उसी आधार पर उनका सोपानक्रम निर्धारित होता है।

उदाहरणार्थ- गांधी जी ने हिंसा एवं कायरता के बीच में एक का चुनाव करने की स्थिति में हिंसा को चुना अतः स्पष्ट है कि खराब मूल्यों (नकारात्मक) का भी एक सोपानक्रम होता है। इसको लोकजीवन में स्वीकार जाना चाहिए।

5. (b) क्या यह कहना तर्कसंगत है कि भ्रष्टाचार एक सामाजिक परिघटना है? प्रशासनिक भ्रष्टाचार से निपटने के विभिन्न तरीके क्या हैं? (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Is it justifiable to say that corruption is a social phenomenon? What are the various ways through which administrative corruption can be tackled? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भ्रष्टाचार का से आशय स्वहित के लिए सार्वजनिक हित का नुकसान करना है। उदाहरणार्थ :- गरीबी उन्मूलन हेतु आवंटित राशि का अधिकारी द्वारा गबन।

**भ्रष्टाचार एक सामाजिक परिघटना के रूप में**

⇒ समाज में स्वीकार्यता इसको प्रोत्साहित करती है।

⇒ समाज यदि इसका पूर्ण तिरस्कार करदे तो यह संभव नहीं। उदाहरणार्थ: स्वीडन नार्वे जैसे देशों में भ्रष्टाचार के निम्न स्तर के पीछे सामाजिक कारक की भूमिका है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

# प्रशासनिक भ्रष्टाचार से निपटने के तरीके

- सक्रिय जनसूचना उपलब्ध कराना।
  - उदाहरणार्थ - RTI Act 2005
    - राजस्थान सरकार का जन सूचना पोर्टल।
- सिटीजन चार्टर।
- सामाजिक अंकेक्षण। → उदाहरण → मनरेगा में
- आचार संहिता, नैतिक संहिता।
- कठोर कानून
  - भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम।

6. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या मायने रखता है?
What do each of the following quotations mean to you?

(a) "गरीबी पर काबू पाना दान का कार्य नहीं है; यह न्याय का कार्य है।" नेल्सन मंडेला (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)
"Overcoming poverty is not a task of charity; it is an act of justice." Nelson Mandela (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाल ही में एक नेता ने टिप्पणी की कि कोरोनाकाल में हमने गरीबों को 'फोकट' में अनाज उपलब्ध कराया। वस्तुतः यह दृष्टिकोण उस मानसिकता से उपजा है जो गरीबी उन्मूलन को दायित्व न समझकर उपकार समझते हैं।

एक राज्य की जिम्मेदारी समाज में समता की स्थापना करना होता है। भारतीय संविधान की बात करें तो 'समता के अधिकार' (अनुच्छेद- 14-18) को मूल अधिकार माना गया है तो वहीं गरीबी को 'गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार' का भी विरोधी माना गया है।

अतः नेल्सन मंडेला का उपर्युक्त कथन सर्वथा उचित है। भारत का संदर्भ लें तो इसी तरह की बात कई विचारकों ने कही है। गोस्वामी तुलसीदास ने 'रामराज्य' की कल्पना करते समय गरीबी निर्मूलन को एक मानक माना।

"दैहिक दैविक भौतिक तापा
राम राज काहुहि नहिं व्यापा।"

आधुनिक संदर्भ में अमर्त्य सेन ने यही अवधारणा प्रस्तुत की उनके अनुसार गरीबी अनेक अक्षमताओं का सृजन करती है - विकल्पों को सीमित करती है अतः यह अन्यायपूर्ण संरचना का सृजन करती है। गरीबी को हटाकर सभी को समान भागीदारी, अवसर दिया जा सकता है और 'सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास' का नारा चरितार्थ हो सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

6. (b) "मेरा यह मानना है कि जहां कायरता और हिंसा में से केवल किसी एक को चुनना हो तो मैं हिंसा चुनने की सलाह दूंगा।" - महात्मा गांधी (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"I do believe that, where there is only a choice between cowardice and violence, I would advise violence."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

महात्मा गांधी ने अहिंसा के संदर्भ में एक प्रचलित मिथक को दूर किया। लोगों का मानना था कि अहिंसा का मार्ग कायरों का मार्ग है किंतु गांधी जी ने बताया कि सत्य पर यदि आपको भरोसा है तो आपको डरने की जरूरत नहीं है और एक सच्चा सत्याग्रही अहिंसक और बहादुर होता है जबकि हिंसा में भय विद्यमान होता है।

हालांकि जब वो हिंसा एवं कायरता में चुनाव की बात करते हैं तो उसमें ज्यादा खराब कायरता को मानते हैं यहाँ कम खराब को चुनने की स्थिति है।

उदाहरणार्थ :- कोई व्यक्ति आप पर जानलेवा हमला करे तो आप कायरता के मारे दुबक कर बैठ जाएँ इससे

अच्छा है कि प्रतिकार करें। इस जगह हिंसा का चुनाव आपके जीने की संभावना में वृद्धि करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आज के संदर्भ में यह रणनीति अनेक राष्ट्रों की युद्ध नीति, विदेश नीति का सार तत्व है। भारत द्वारा लगातार हो रहे आतंकवादी हमलों की प्रतिक्रिया बालाकोट स्ट्राइक के रूप में करना इसी सोच का परिणाम है।

अतः यह कहना ठीक है कि युद्ध के मैदान में जाने की आकांक्षा मत रखिए किंतु यदि कोई मैदान तक खींच ले जाय तो हथियार डालने की बजाय पुरजोर प्रतिकार कीजिए।

6. (c) "परिवर्तन अपरिहार्यता के पहियों पर नहीं चलता है, बल्कि निरंतर संघर्ष के माध्यम से आता है।" मार्टिन लूथर किंग जूनियर (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

"Change does not roll in on the wheels of inevitability, but comes through continuous struggle." Martin Luther King Jr (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए Candidates must not write on this margin

उपर्युक्त कथन में मार्टिन लूथर किंग का आशय यह है कि कई बार हम परिवर्तन को दिन और रात होने, सूर्यास्त एवं सूर्योदय होने, जन्म एवं मृत्यु होने जितना स्वाभाविक मान लेते हैं। यह गलत सोच है। वस्तुतः परिवर्तन संघर्ष से ही प्राप्त होता है। 'परिवर्तन' का आशय यहाँ दिन के रात होने नहीं बल्कि परिस्थितियों में सकारात्मक एवं गुणात्मक परिवर्तन से है उदाहरणार्थ :-

भारतीयों द्वारा 1857 से लेकर 1947 ईस्वी तक संघर्ष के बाद ही स्वतंत्रता प्राप्ति हुई। यदि हम ब्रिटिश सत्ता द्वारा स्वाभाविक हस्तांतरण के भरोसे बैठे रहते तो आजतक परिवर्तन संभव न हो पाता।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हाँ, एक बात जरूर है कि कुछ मूल्य निरपेक्ष परिवर्तन अपरिहार्य रूप से होते रहते हैं जैसे – समय का पहिया हमेशा आगे बढ़ता रहता है, नदी का जल हमेशा बहता रहता है।

उपर्युक्त बात को ही एक विद्वान ने कुछ इस तरह प्रस्तुत किया है।

"आप नदी में जितनी बार डुबकी लगाते हैं उतनी बार अलग पानी में लगाते हैं।"

हालांकि उपर्युक्त बात गुणात्मक परिवर्तन पर लागू नहीं होती। यूरोप में आधुनिकीकरण हेतु संघर्ष हुआ, ब्रिटेन में लोकतंत्र की स्थापना राजा एवं संसद के बीच संघर्ष से हुई, अमेरिका में दास व्यवस्था की समाप्ति संघर्ष से हुई अतः परिवर्तन के लिए संघर्ष आवश्यक है।

7. आप एक मेट्रोपॉलिटन शहर में पुलिस आयुक्त के रूप में तैनात हैं जहां एक आधिकारिक समारोह में अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए राष्ट्रपति स्तर की सुरक्षा प्राप्त एक विदेशी पदाधिकारी के दौरे का कार्यक्रम है। सुरक्षा तैयारियों के एक भाग के रूप में यह निर्णय लिया गया है कि शहर में समारोह स्थल तक पहुंचने के लिए विदेशी पदाधिकारी द्वारा उपयोग किए जाने वाले मार्ग पर किसी भी वाहन यातायात की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, विदेशी पदाधिकारी के आगमन के लिए निर्धारित समय से ठीक 15 मिनट पहले आपको यह सूचना मिलती है कि गंभीर रूप से बीमार एक मरीज, निजी कार से अस्पताल ले जाते समय अपने परिवार के साथ रास्ते में फँस गया है। इस स्थिति में, निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

(a) वी. आई. पी. के आवागमन के लिए यातायात रोकने से जुड़े मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) इस स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को उनके गुणों एवं दोषों के साथ सूचीबद्ध कीजिए।

(c) आपकी कार्रवाई क्या होगी? उचित तर्कों के साथ उसका औचित्य सिद्ध कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as the Commissioner of Police in a metropolitan city where a visiting foreign dignitary, with President-level security cover, is scheduled to visit for an official function. As a part of the security preparedness, it has been decided that no vehicular traffic will be allowed on the route which will be taken by the foreign dignitary to reach the venue of the function in the city. However, just 15 minutes before the scheduled arrival of the dignitary, you are informed that a critically-ill patient is stuck on the way to the hospital in a private car along with his family.

In this situation, answer the following:

(a) Discuss the issues involved in halting traffic for VIP movement.

(b) List the options available to you in this situation with their merits and demerits.

(c) What will be your course of action? Justify with proper reasoning. (Answer in 250 words) 20

वी. आई. पी. मूवमेंट के समय सुरक्षा की दृष्टि से जहाँ यातायात पर रोक लगाना अपरिहार्य बन जाता है। ध्यातव्य है कि पठानकोट में हाल ही में C.R.P.F. के काफिले से एक गाड़ी, जिसमें RDX भरा था, टकरा गयी थी जिससे कई जवान शहीद हुए थे।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

हालांकि इससे आम जनता के निर्बाध आवागमन का अधिकार तो बाधित होता ही है कई मरीजों या आवश्यक सेवाओं को भी बाधित होना पड़ता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

**वी·आई·पी· आवागमन के लिए यातायात रोकने से जुड़े मुद्दे**

⇒ यदि यातायात रोक दें तो आमजन जीवन प्रभावित

⇒ न रोकें तो सुरक्षा प्रभावित।

⇒ उपर्युक्त केस स्टडी में मरीज के जीवन का मूल्य एवं V.I.P. के जीवन के मूल्य में किसी एक को चुनने का द्वैध है।

**उपलब्ध विकल्प**

1) यातायात को यथास्थिति में रोक कर एवं

गुण → V.I.P. का सुरक्षित आवागमन सुनिश्चित होगा।

↳ पुलिस अपने पेशेवर दायित्व का

सफल निर्वहन करेगी।

(दोष) → मरीज की आवश्यक सुविधा समय पर न मिलने से मृत्यु हो सकती है।
→ नैतिक दृष्टि से देखें तो मरीज के जीवन के मूल्य को V.I.P. की तुलना में कम प्रीयता मिल रही है जो कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है ही हमारे संवैधानिक आदर्शों के भी विपरीत है।

(2) एक विकल्प यह है कि पूरा ट्रैफिक खोल दें और यातायात को पूर्ववत चलने दें।

→ (लाभ) → एंबुलेंस आसानी से अस्पताल तक पहुँच जायेगी।
→ (नुकसान) → V.V.I.P सुरक्षा एवं प्रोटोकॉल प्रभावित होगा।
→ पुलिस के ऊपर कार्यवाही हो सकती है।
→ पुलिस कमिश्नर के रूप में मुझे दंडित किया जा सकता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ मैं केवल एंबुलेंस को निकलने की अनुमति दूं और बाकियों के लिए यातायात रोक कर रखूँ

(लाभ) → मरीज की सुरक्षा के साथ-साथ V.V.I.P. की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी।

(नुकसान) → यहाँ न्यूनतम नुकसान की संभावना है।
→ अधिक-से-अधिक प्रोटोकॉल के उल्लंघन में मेरे विरुद्ध कार्यवाही हो सकती है।

उपर्युक्त तीनों विकल्पों में से मैं तीसरे विकल्प का चुनाव करूंगा क्योंकि इसमें जो क्षति होने की संभावना है वह न्यूनतम है साथ ही इस विकल्प द्वारा मैं अपने नैतिक एवं पेशेवर दोनों दायित्वों को साध सकूंगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

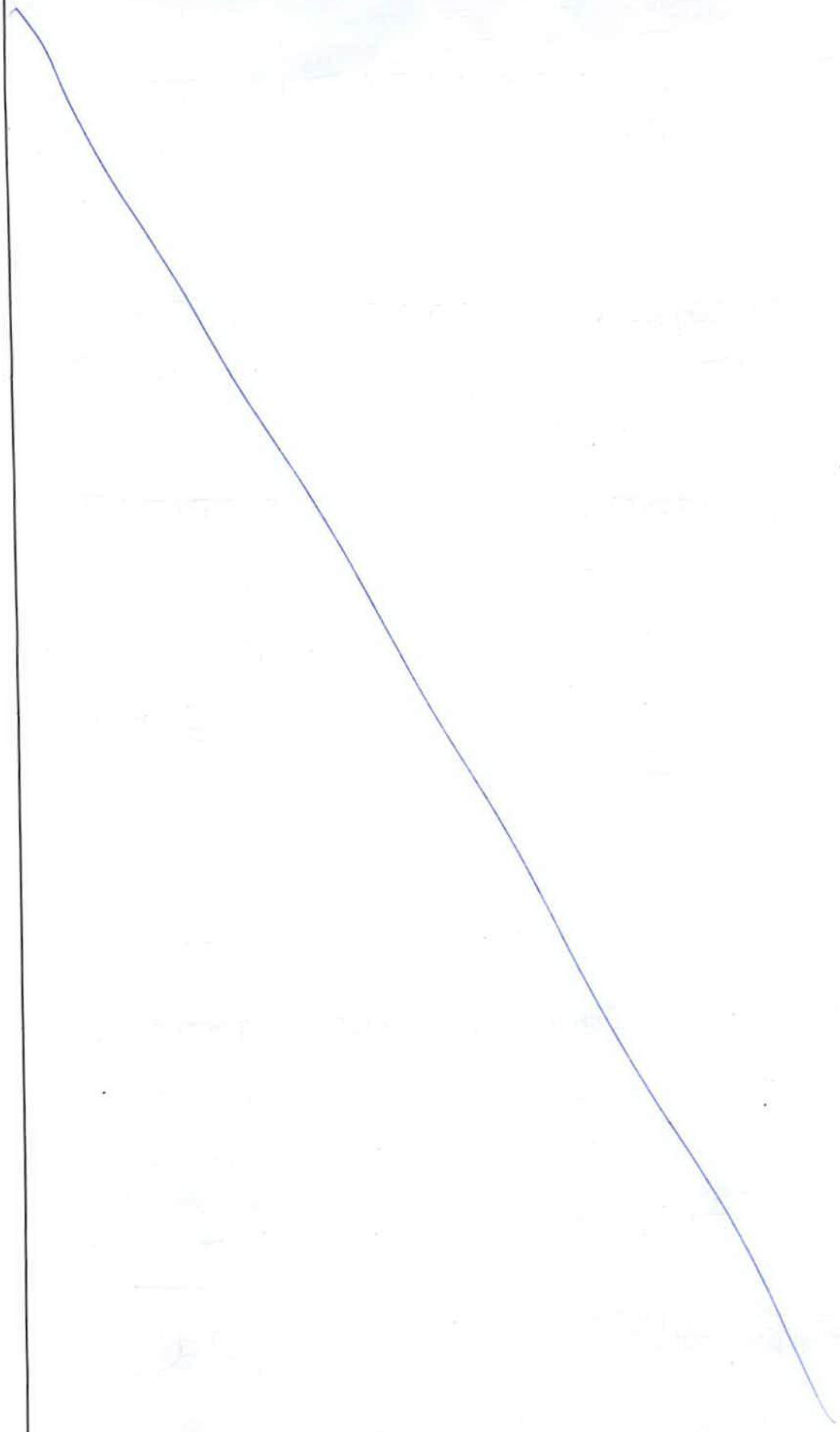

8. ट्रांसजेंडर समुदाय शुरुआती समय से ही भारत के सामाजिक ढांचे का हिस्सा रहा है लेकिन उसे कभी भी समाज के एक सम्मानित वर्ग के रूप में मान्यता नहीं मिली है। 'हिजड़ा' शब्द भारत में पारंपरिक रूप से उन ट्रांसजेंडर महिलाओं के लिए इस्तेमाल किया जाता है जिनका जन्म पुरुष के रूप में हुआ था। पवित्र हिंदू ग्रंथों के अनुसार इस समुदाय की भूमिका और महत्त्व विवाह एवं जन्म समारोहों में अच्छे भाग्य के लिए आशीर्वाद देने तक ही केंद्रित है। 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश राज के आगमन के साथ ही "क्रॉस-ड्रेसिंग" के कृत्यों को एक दंडनीय अपराध माना गया और यदि ऐसे अपराध बार-बार किए जाते थे तो कारावास का दंड दिया जाता था। इस प्रकार, हिजड़ों का अपराधीकरण शुरू हुआ। हालांकि, वर्तमान समय में इस समुदाय को पहले की तुलना में कानूनी समर्थन प्राप्त है और वे सामाजिक रूप से सशक्त हैं, किंतु ये अभी भी ट्रांसजेंडर लोगों के प्रति भेदभाव-संबंधी हिंसा, गरीबी और अलगाव के शिकार हैं। उपर्युक्त के आलोक में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) ट्रांसजेंडर लोगों द्वारा अपने जीवन के विभिन्न चरणों के दौरान सामना की जाने वाली चुनौतियों की पहचान कीजिए।

(b) ट्रांसजेंडर समुदाय के उत्थान के लिए वर्तमान समय में की गई कई पहलों के बावजूद भारत में उनके साथ लगातार हो रहे भेदभाव के कारणों पर चर्चा कीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

The transgender community has been a part of India's social set up since the very beginning but never recognized as a reputable part of the society. 'Hijra' is a term traditionally used in India for transgender women who were born male. The role and value of this community in accordance with the sacred Hindu texts condenses to the performance of blessings at marriage and birth ceremonies for good fortune. With the advent of the British Raj in the 19th century, the acts of "cross-dressing" were registered as a criminal offence and if such offences were committed repeatedly, imprisonment followed. Thus, began the criminalization of hijras. Today, although legally supported and socially empowered as compared to earlier times, hijras are still subject to transphobic discrimination-associated violence, poverty, and segregation.

In light of the above, answer the following:

(a) Identify the challenges faced by transgenders during the different stages of their life.

(b) Discuss the reasons for the continuing discrimination against trangenders in India despite several initiatives for their upliftment in recent times. (Answer in 250 words) 20

ट्रांसजेंडर समुदाय के आपराधीकरण
की ऐतिहासिक प्रभाव तब तक मौजूद था
जब तक नवतेज जौहर बनाम भारत
सरकार वाद में उच्चतम न्यायालय ने
IPC-377 में उल्लिखित प्रावधान को
असंवैधानिक घोषित नहीं कर दिया।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

## ट्रांसजेंडर समुदाय द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियाँ

⇒ समाज के साथ इनका एकीकरण आज तक नहीं हो पाया है। ये समुदाय अन्य समुदायों के बीच नहीं रहते हैं न ही किसी भी प्रकार का सामाजिक संबंध विकसित हो पाता है।

⇒ ट्रांसजेंडर समुदाय के 'मानव विकास सूचकांक' अन्य समुदायों की तुलना में अत्यंत निम्न है। ऐसा अधोलिखित कारणों से है।

→ 1) शिक्षा संस्थानों में इन्हें समावेशित नहीं किया गया है।

→ 2) स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित उपलब्धता है।

→ 3) इस दिशा में विशेष प्रयासों का अभाव है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

- समुदाय को 'सामाजिक बुलींग (Social Bullying) का सामना करना पड़ता है।
- विविध क्षेत्रों में इनका प्रतिनिधित्व अत्यंत निम्न या नगण्य है।
- कई बार हिंसा का सामना करना पड़ता है।
- लैंगिक अपराध भी इनके विरुद्ध होने वाली एक बड़ी समस्या।

**सरकार द्वारा किए गए प्रयास**

- ट्रांसजेंडर समुदाय (अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2016
  - एक केंद्रीय प्राधिकरण की स्थापना।
  - विविध स्तर पर आरक्षण का प्रावधान।
  - स्व प्रमाणीकरण की सुविधा।
  - विशेष स्वास्थ्य सेवाओं की प्रतिबद्धता

हालांकि यह समुदाय अभी भी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है जिसके अधोलिखित कारण है।

**सरकारी स्तर पर**

- सरकार द्वारा नीति निर्माण में इनकी सहभागिता पर विशेष ध्यान नहीं दिया जाता।
- स्वास्थ्यकर्मियों को संवेदनशील बनाने की जरूरत है।
- इनके लिए समर्पित विद्यालयों का अभाव है।

**सामाजिक स्तर पर**

- संवेदनशीलता की कमी।
- जागरूकता का अभाव।
- अपराध के विरुद्ध दंड की क्रियान्वयन सीमित है।

उपर्युक्त समस्याओं का निवारण कर इस सुभेद्य समुदाय का कल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. आप एक राज्य में पुलिस महानिरीक्षक के रूप में तैनात एक आई. पी. एस. अधिकारी हैं। हाल ही में राज्य के एक जिले में कथित तौर पर पुलिस उपाधीक्षक (डी. एस. पी.) की मौजूदगी में हिरासत में हुई हिंसा के कारण एक पिता एवं पुत्र की मृत्यु से पूरे राज्य में आक्रोश फैल गया है। यह कोई अकेली घटना नहीं है, क्योंकि पुलिस द्वारा शारीरिक हमले के कारण हिरासत में हुई मौतों के संबंध में मानवाधिकार समूहों द्वारा पहले भी आरोप लगाए जाते रहे हैं। राज्य के उच्च न्यायालय ने हाल की इस घटना पर स्वत: संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार को नोटिस जारी कर हिरासत में मौतों की बढ़ती घटनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। राज्य सरकार ने घटना की जांच करने और इससे जुड़े तथ्यों की सत्यता के बारे में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए एक समिति का गठन किया है। आपको समिति का नेतृत्व करने के लिए कहा गया है। आप जिले के पुलिस उपाधीक्षक को एक ईमानदार, मेहनती और शुचितापूर्ण अधिकारी के रूप में जानते हैं। उसने आपसे निजी तौर पर अनुरोध किया है कि आप उसे किसी भी गलत कार्य के आरोप से मुक्त कर दें क्योंकि उसका दावा है कि वह घटना के समय वहां पर मौजूद नहीं था। आप जानते हैं कि उसके खिलाफ कोई भी कार्रवाई उसकी प्रतिष्ठा और करियर के लिए हानिकारक होगी। वहीं दूसरी ओर, विभाग के वरिष्ठ अधिकारी राज्य में पुलिस की समग्र छवि की रक्षा के लिए सारा दोष डी. एस. पी. पर डालने और उसे बलि का बकरा बनाने के लिए आप पर दबाव बना रहे हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

दिए गए परिदृश्य में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) इस प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच न्यायसंगत और निष्पक्ष हो, आप क्या कदम उठाएंगे?

(c) भारत में पुलिस बल अपने दिन-प्रतिदिन के काम-काज में जिन चुनौतियों के दबाव में काम करते हैं, उन्हें देखते हुए कुछ पहलों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are an IPS officer posted as the Inspector General of Police in a state. The recent death of a father-son duo in one of the districts in the state, due to custodial violence allegedly in the presence of the Deputy Superintendent of Police (DSP), has sparked anger across the state. This is not an isolated incident, as there have been allegations raised by human rights groups in the past regarding custodial deaths due to physical assault by the police. The High Court of the State, taking suo moto cognizance of the recent incident, has served a notice to the state government, seeking a detailed report on the rising instances of custodial deaths. The state government has constituted a Committee to probe the incident and submit a detailed report about the veracity of facts related to it. You have been asked to head the Committee. You know the Deputy Superintendent of Police of the district to be an honest, hardworking and upright officer. He has privately requested you to absolve him of any wrongdoing as he claims not to be present when the incident occurred. You know that any action against him will be detrimental to his reputation and career. On the other hand, the seniors in the department are pressurising you to put all the blame on the DSP and make him a sacrificial lamb in order to protect the overall image of the police in the state.

In the given scenario, answer the following questions:

(a) Identify the stakeholders and the ethical issues involved in the case.

(b) What steps will you take to ensure that the enquiry is seen to be fair and impartial?

(c) Given the challenges that the police forces in India operate under in their day-to-day functioning, suggest some initiatives to address them. (Answer in 250 words) 20

भारत में हिरासत में हुई मौतें एवं उनकी बढ़ती प्रवृत्ति एक चिंताजनक विषय है, खासतौर यह मुद्दा और भी संवेदनशील हो जाता है जब एनकाउंटर के नाम पर राजनीतिक एवं सामाजिक समर्थन प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। ध्यातव्य है कि हिरासत में मौत व्यक्ति के गरिमापूर्ण जीवन के अधिकार (अनुच्छेद-21), प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के विरुद्ध है।

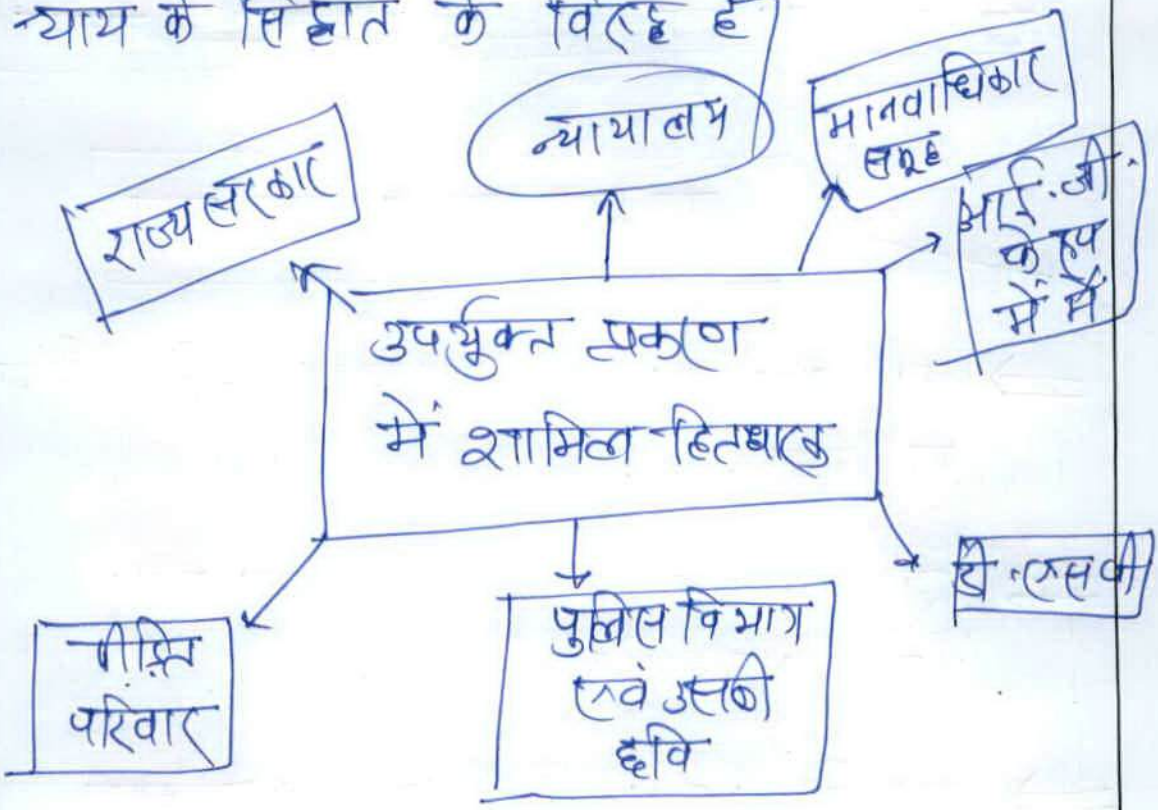

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin




उपर्युक्त केस स्टडी में अधोलिखित नैतिक मुद्दे विद्यमान हैं :—

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⇒ पीड़ित को न्याय दिलाना

⇒ डी.एस.पी. की भूमिका की निष्पक्ष पड़ताल करना v/s पुलिस की छवि की रक्षा।

⇒ दबावों को निर्णय पर प्रभाव न पड़ने देना v/s अधिकारियों को संतुष्ट करना कार्यवाही के प्रति।

⇒ ~~भविष्य में यह न हो इसके प्रयास करने के लिए एक वस्तुनिष्ठ [illegible] प्रक्रिया~~

**मेरे द्वारा उठाया गया कदम**

⇒ मैं उस समय मौजूद सभी पुलिसकर्मियों की गवाही लूंगा।

⇒ सभी की बातों का मिलान एवं विश्लेषण करूंगा।

⇒ इस दिशा में ठोस साक्ष्य ग्रहण करूंगा।

⇒ पीड़ित पक्ष के आरोपों पर भी संवेदनशीलता किंतु वस्तुनिष्ठता के

साथ विचार करूंगा।

→ अपने द्वारा पालन की जा रही प्रक्रिया को मीडिया के माध्यम से सूचित भी करता रहूंगा जिससे पुलिस की निष्पक्ष कार्यवाही सामाजिक रूप से स्थापित हो। इससे भ्रष्ट अधिकारियों का दबाव भी कम होगा।

⇒ गुण-दोषों के विवेचन के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही की संस्तुति करूंगा।

पुलिस की कार्यदशा में सुधार के उपाय

⇒ पुलिस जनसंख्या अनुपात में सुधार किया जाय।

⇒ राजनैतिक दबाव कम करने हेतु प्रकाश सिंह वाद में सुप्रीम कोर्ट दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin



www.visionias.in

किया जाय।

→ पुलिस बल के मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण की व्यवस्था हो।

→ उन्हें समय-समय पर अवकाश भी प्रदान किया जाय ताकि वे रिफ्रेश रहें।

→ पुलिस बल की तकनीकी दक्षता में सुधार हो इससे दबाव कम होगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. मिस्टर X एक अरबपति व्यवसायी हैं जो बीमा, ऊर्जा उत्पादन एवं वितरण तथा विनिर्माण कार्य में संलग्न एक बड़ी कंपनी के प्रमुख हैं। विश्व भर में एक महान परोपकारी के रूप में उनकी पहचान होने के बावजूद, उन्होंने एक शेयरधारक के उस अनुरोध को ठुकरा दिया है जिसमें जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ विविधता और समावेशन से संबंधित मुद्दों पर कंपनी की कार्रवाइयों का खुलासा करने की मांग की गई थी।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जलवायु और विविधता के मुद्दों पर बढ़ते ध्यान के कारण, कई प्रमुख फर्मों ने अपनी व्यावसायिक रणनीतियों में प्रासंगिक विचारों को शामिल करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध किया है। इसलिए, कुछ उद्योग-पर्यवेक्षकों ने आश्चर्य व्यक्त किया है कि क्या मिस्टर X बड़े पैमाने पर उद्योग के संपर्क में नहीं हैं और उन्हें यह चेतावनी दी है कि जलवायु परिवर्तन के मुद्दों को हल करने में विफल रहने से उनके व्यवसाय के लिए प्रणालीगत जोखिम उत्पन्न हो सकता है। इसके बावजूद, मिस्टर X प्रकटीकरण प्रस्ताव के खिलाफ अपने मत पर कायम रहे, साथ ही जलवायु परिवर्तन और विविधतापूर्ण एवं समावेशी कार्यबल इन दोनों के महत्व को भी स्वीकार किया। हालांकि, मिस्टर X का मानना है कि शेयरधारकों के लाभ को अधिकतम करने के लिए इस तरह के नैतिक मुद्दे गौण महत्व रखते हैं।

(a) एक व्यावसायिक संगठन में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी रणनीतियों और विविधता एवं समावेश को शामिल करने के महत्व पर चर्चा कीजिए?

(b) आपकी राय में, एक व्यावसायिक संगठन के लिए क्या अधिक मायने रखता है- सामाजिक-पर्यावरणीय चिंताएं या शेयरधारकों का लाभ?

(c) उपर्युक्त दो मुद्दों को कैसे सुलझाया जा सकता है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mr. X is a billionaire businessman who heads a conglomerate engaged in insurance, energy generation and distribution, and manufacturing. Despite being globally known as a great philanthropist, he turned down a shareholder request seeking the disclosure of the conglomerate's actions on issues related to climate change as well as diversity and inclusion.

Because of increased attention to climate and diversity issues, many leading firms have committed themselves to incorporate relevant considerations in their business strategies. Therefore, some industry-observors wonder if Mr. X is out of touch with the industry at large and have warned him that failing to address climate change issues puts his businesses under systemic risk. But, Mr. X maintained his vote against the disclosure proposal, while at the same time acknowledged the importance of both climate change and a diverse and inclusive work force. However, Mr. X believes that such ethical issues take secondary importance to maximising shareholder profit.

(a) Discuss the importance of including climate change strategies and diversity and inclusion in a business organisation?

(b) In your opinion, what matters more for a business organisation - socio-environmental concerns or shareholder profit?

(c) How can the two above-mentioned issues be reconciled? (Answer in 250 words) 20

केवल लाभ को केंद्रित रखने की दूरदर्शी अवधारणा सतत एवं वहनीय विकास के सिद्धांत के विरुद्ध है। मिस्टर



www.visionias.in

X को भले ही लग रहा हो कि उपर्युक्त कदम द्वारा वे शेयरधारकों का हित साध रहे हैं किंतु सच्चाई यह है कि दीर्घ काल में यह कदम सभी हितधारकों के विरुद्ध सिद्ध होगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जलवायु परिवर्तन नीति, विविधता एवं समावेशिता का महत्व

⇒ इससे सतत विकास सुनिश्चित होगा।

→ कम्पनी की छवि मजबूत होगी।

→ मिस्टर X की प्रतिष्ठा में सुधार होगा।

→ जलवायु परिवर्तन नीति के अभाव में सबसे पहले सर्वाधिक सुभेद्य वर्ग प्रभावित होगा। किंतु धीरे-धीरे गरीब से अमीर सभी प्रभावित होंगे।

⇒ विविधता हमारे आर्थिक विकास के स्थायित्व के साथ-साथ हमारे अस्तित्व के लिए भी जरूरी है।

# सामाजिक-पर्यावरणीय चिंताएँ या शेयरधारक महत्वपूर्ण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⇒ कंपनी के विकास एवं स्थायित्व में सिर्फ शेयरधारक का ही योगदान नहीं होता है। शेयरधारक एक हितधारक होता है न कि एकमात्र हितधारक।

⇒ शेयरधारक को ही केवल ध्यान देना कारपोरेट गवर्नेंस एवं नैतिकता के मानदंडों के विपरीत है।

⇒ सामाजिक समावेशिता पर काम करके कंपनी अपने उपभोक्ता आधार को मजबूत कर सकती है।

⇒ अतः दोनों के मध्य एक संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

(उपर्युक्त मुद्दे को सुलझाने का तरीका)

⇒ कारपोरेट सामाजिक दायित्व के साथ-

साथ कार्पोरेट पर्यावरणीय दायित्व संबंधी कानूनी प्रावधान हों।

↳ भारत में कंपनी अधिनियम 2013, पर्यावरणीय आकलन प्रभाव, क्षतिपूरक वनीकरण अधिनियम इसके उदाहरण हैं।

शेयरधारकों को वांछित लाभ सुनिश्चित होना चाहिए किंतु व्यापक हित की शर्त पर नहीं। यह SEBI जैसी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जा सकता है।

↳ उदय कोटक समिति की अनुशंसाओं को अपनाकर।

↳ कार्पोरेट गवर्नेंस के प्रभावी क्रियान्वयन द्वारा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. आप एक ऐसे जिले में पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं जहां विभिन्न धार्मिक समुदायों के लोग एक साथ शांतिपूर्वक रह रहे हैं। यह जिला अपनी स्थापत्य विरासत के लिए भी प्रसिद्ध है और यहां विश्व भर से पर्यटक नियमित रूप से आते हैं। हालांकि, पड़ोसी राज्य में एक ऐसी घटना हुई है जिसमें दो अलग-अलग समुदायों के लोगों ने धार्मिक मुद्दों पर लड़ाई शुरू कर दी है। इस घटना का प्रभाव पूरे देश पर पड़ा है। आपकी तैनाती वाले क्षेत्र में भी विभिन्न स्रोतों से आपको हेट स्पीच वाले कुछ ऐसे वीडियो के प्रसार की सूचना मिली है जो कानून और व्यवस्था की स्थिति को बिगाड़ सकते हैं। आप यह भी जानते हैं कि आपके जिले में संदिग्ध नीयत से कुछ बाहरी लोगों का आना शुरू हो गया है। एक इलाके में एक दुकानदार की, जिसने पहले इंटरनेट पर कुछ पोस्ट करने के कारण मिलने वाली धमकियों के बारे में शिकायत दर्ज कराई थी, उसकी निर्दयतापूर्वक हत्या कर दी गई है। इस घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। आपको यह सूचना दी गई है कि दुकानदार जिस समुदाय का था, उस समुदाय के सैकड़ों लोग आपके जिले में व्यापक विरोध प्रदर्शन करने की योजना बना रहे हैं।

(a) दी गई स्थिति में, जिले में कानून और व्यवस्था की स्थिति को स्थिर बनाए रखने के लिए आपके समक्ष क्या विकल्प उपलब्ध हैं। अपनी कार्रवाइयों का विस्तृत विवरण प्रदान कीजिए।

(b) क्या आपको लगता है कि वर्तमान कानूनी और संस्थागत ढांचे समाज में हेट स्पीच के खतरे से निपटने के लिए पर्याप्त हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You are posted as a Superintendent of Police (SP) in a district where people of different religious communities are living together peacefully. The district is also famous for its architectural heritage and is regularly visited by tourists from all around the world, However, there has been an incident in the nearby state where people of two different communities have started fighting over religious issues. This incident has a spillover effect over the whole country. In your own area of jurisdiction, you have come to know from various sources about circulation of some hate speech videos, which have the potential to destabilise the law and order situation. You are also aware that some outsiders with dubious intentions have started pouring in your district. In one locality, a shopkeeper who had earlier filed a complaint regarding threats he received for posting something on the internet, is found murdered in cold blood. This incident has stunned the nation. You are being informed that hundreds of people of the community to which the shopkeeper belonged are planning to stage a massive protest in your district.

(a) In the given situation, what are the options available to you to ensure that the law and order situation in the district remains stable. Provide a detailed account of your course of action.

(b) Do you think the present legal and institutional mechanisms are sufficient to tackle the menace of hate speech in the society? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जन संचार माध्यमों के विकास ने जहाँ मानवीय जीवन को अनेक वरदान प्रदान किए हैं वहीं सोशल मीडिया, हेट स्पीच, फेक न्यूज जैसी पद्धतियाँ सोशल मीडिया युग में बड़ी चुनौती बनकर

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

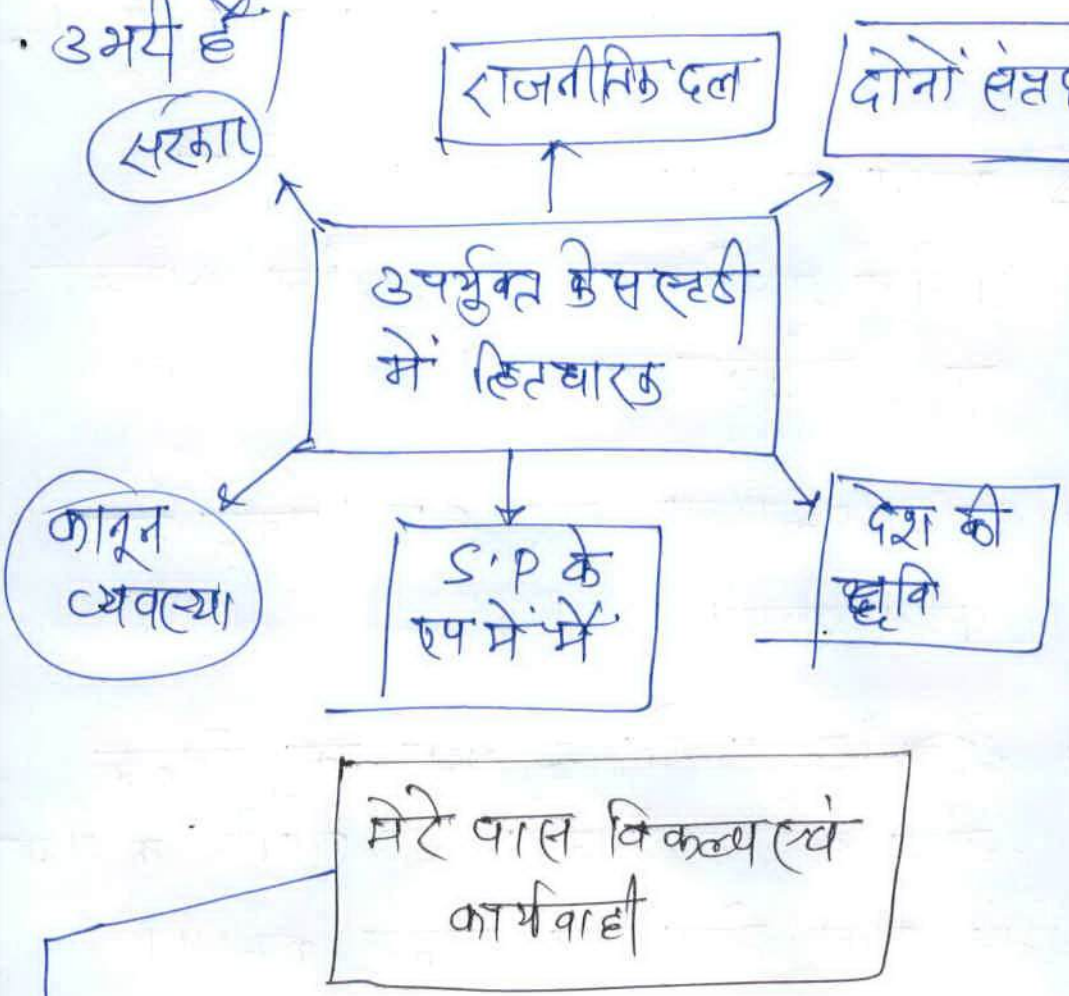


मेरे पास विकल्प एवं कार्यवाही

⇒ स्थिति की गंभीरता एवं दंगे की संभावना के बीच मेरे पास अत्यंत सीमित विकल्प उपलब्ध है।

⇒ एक विकल्प कुछ समय के लिए इंटरनेट पर प्रतिषेध लगाने का है जिसके क्रियान्वयन को सुनिश्चित करवाने का मैं अतिशीघ्र प्रयास करूंगा ताकि लोगों की भावनाओं को भड़काने से

सोशल मीडिया माध्यम न बनने पाए।

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

⇒ कानून व्यवस्था की चुस्ती के लिए फ्लैग मार्च का संवेदनशील जगहों पर आयोजन करेगा।

⇒ संदिग्ध लोगों पर धर-पकड़ तेज करवाएगा।

⇒ हत्या के दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्यवाही हेतु डी.एसपी. के नेतृत्व में एक टीम का गठन करेगा।

⇒ पत्रकार वार्ता के माध्यम से आम समुदाय से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील करेंगा।

वर्तमान कानूनी ढाँचे की पर्याप्तता

⇒ हेट स्पीच को वर्तमान में स्पष्ट रूप से कानूनी ढाँचों में अपराध के

रूप में परिभाषित नहीं किया गया है।

⇒ IPC की धारा 153-A वर्तमान में सांप्रदायिक तनाव के विरुद्ध कार्यवाही का एक महत्वपूर्ण साधन है।

⇒ उसके अतिरिक्त धारा- 144 भी स्थिति को नियंत्रित करने से संबंधित है

हालांकि ये प्रावधान अपर्याप्त हैं।

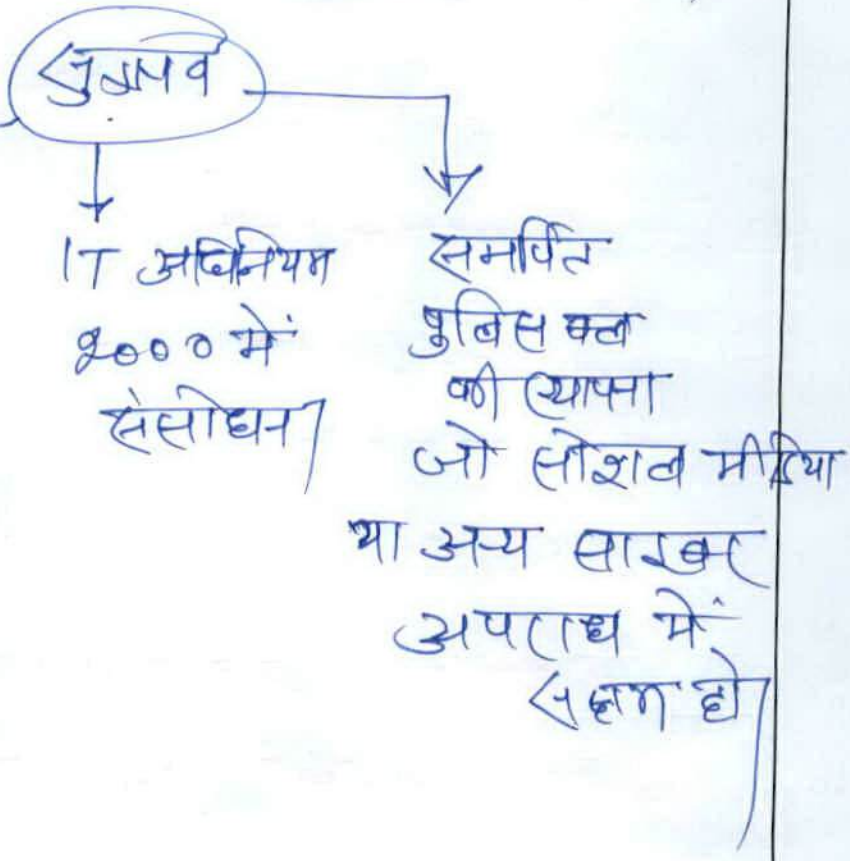


उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

12. भारतीय शिक्षा प्रणाली कई समस्याओं से ग्रस्त है। प्रमुख समस्याओं में से एक 'रटकर सीखने' पर ध्यान केंद्रित करना है जो कई वर्षों से भारतीय शिक्षा प्रणाली की मुख्य विशेषता रही है। हालांकि, कई भारतीयों ने इस प्रणाली के बावजूद सफलता प्राप्त की है, किंतु आज की दुनिया में केवल सूचनाओं को याद रखने में सक्षम होना ही पर्याप्त नहीं है, जबकि वह सूचना किसी भी व्यक्ति को मोबाइल फोन पर तुरंत उपलब्ध हो जाती है। 200 भारतीय और विदेशी कंपनियों के एक सर्वेक्षण में पाया गया है कि केवल 14% भारतीय स्नातक कार्यबल में शामिल होने के लायक थे। इसका मुख्य कारण यह था कि अधिकांश स्नातक वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए अपने ज्ञान का प्रयोग करने में असमर्थ थे। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

**(a)** देश में युवा छात्रों के शैक्षिक विकास पर 'रटकर सीखने' के क्या प्रभाव हुए हैं?

**(b)** इस मुद्दे को हल करने के लिए किए जा सकने वाले उपायों का सुझाव दीजिए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The Indian education system suffers from many ills. One of the major issues is the focus on 'rote learning', which has been the staple of the Indian education system for many years. While many Indians have attained success despite this system, simply being able to recall information is not enough in today's world when that information is instantly available to anyone on a mobile phone. A survey of 200 Indian and foreign companies found that only 14% of Indian graduates were prepared for the workforce, largely because most graduates were unable to apply their knowledge to solve real-world problems.

In this context, answer the following questions:

**(a)** What are the consequences of 'rote learning' on the educational development of young students in the country?

**(b)** Suggest measures that can be taken to address this issue. (Answer in 250 words) 20

अभी तक भारतीय शिक्षा पद्धति प्रायः मात्रात्मक दृष्टिकोण से संचालित थी। इसमें गुणवत्ता केंद्रित, कौशल विकास केंद्रित दृष्टिकोण का अभाव परिलक्षित होता है। यह इस तथ्य से भी स्थापित होता है कि हजारों विश्वविद्यालय वाले देश भारत में 1 भी विश्वविद्यालय दुनिया के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों

में शामिल नहीं है।

उम्मीदवारों को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

## हालों पर रटकर सीखने का प्रभाव

⇒ **सीमित कौशल विकास**
- रोजगार के सीमित अवसर
- योग्यता से निम्न स्तर पर नियोजित होने की मजबूरी।
- बाह्य निवेश भी सीमित इस वजह से।

⇒ **उद्यमशीलता में कमी**
- नवाचारी पद्धति का अभाव।
- रटने पर बल देने से सोचने एवं सवाल पूछने की प्रक्रिया बाधित होती है।
- यही कारण है कि भारत Apple, गूगल जैसी संस्था विकसित नहीं कर सका।

⇒ **सीमित मानव विकास**

उपाय

→ नई-शिक्षा नीति 2020 में व्यापक प्रावधान किए गए हैं। इनका प्रभावी क्रियान्वयन निश्चय ही शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

उदाहरणार्थ:-

⇒ आई-वी-लीग-विश्वविद्यालयों के भारत में प्रवेश से शिक्षा संस्कृति में सुधार होगा।

⇒ 6वीं कक्षा के बाद व्यवसायिक प्रशिक्षण पर बल देने से रटने की परम्परा समाप्त होगी।

⇒ मेरिट पद्धति की समाप्ति से सीखने एवं समझने का महत्व स्थापित होगा।

उपर्युक्त कदमों के साथ-साथ शिक्षकों की ट्रेनिंग, अभिभावकों की जागरूकता एवं समाज में अंक के महत्व पर भी काम करने की जरूरत है।



उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

## SPACE FOR ROUGH WORK

## SPACE FOR ROUGH WORK

## SPACE FOR ROUGH WORK